7. महिला आश्रम

– काका कालेलकर

■ **शब्दार्थ –**

उत्कटता – तीव्रता

कलह – विवाद, झगड़ा

कुढ़न – खीझ

बेखटके – बिना किसी संकोच के, निसंकोच

यथासमय – निश्चित समय पर

व्यवस्था – प्रबंध

संचालन – नियंत्रण

■ **मुहावरे –**

1) हृदय पसीजना – द्रवित होना।

वृद्धाश्रम में वृद्धों को देखकर मेरा हृदय पसीज गया।

2) हृदय में चोट लगना – दुख पहुँचना।

उनकी तीखी बातों से मेरे हृदय में चोट लग गई।